(c) if so, the reasons therefor and the steps Government propose to take in the matter?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI H N BAHUGUNA) (a) to (c) Shortage of certain brands of medicines occur sometimes in certain parts of the country But, invariably equivalent substitutes are available

The availability of drugs has been gradually improving in the country As against the availability of Rs 560 crores worth of formulations in 1975-76, the availability during 1976-77 was of the order of Rs 700 crores Ministry of Chemicals and Fertilizers are monitoring the production data of various essential drugs The availability of these drugs during 1977-78 is expected to increase further To further augment the availability, substantial expansion in the Public Sector Undertakings is being encouraged in a planned manner

कोरवा उर्वरक सयत्र की लागत

*201 श्री हुकम चन्द कछवाय :
डा० बसन्त कुमार पडित :

क्या पेट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मत्री यह बताने की कृपा करेगे कि

(क) कारवा उर्वरक सयत्र की कुल लागत क्या है और उसका निर्माण कितनी अवधि मे पूरा होना था,

(ख) सयत्र पर अब तक कितनी राशि व्यय की जा चुकी है और वर्ष 1977-78 मे कितनी धनराशि व्यय करने का विचार है, और

(ग) अब तक कितनी प्रगति हुई है और सयत्र कब तक पूरा हो जाने की सम्भावना है और यदि सयत्र के पूरा होने में देरी हो रही है तो इसके क्या कारण है ?

पेट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनेश्वर मिश्र): (क) से (ग) कोरवा उर्वरक प्रायोजना को जून 1974 मे 118 25 करोड रुपय की लागत से कार्यान्वित करने की मजूरी दी गई थी और इसका 1978 मे पूरा करन का कार्यक्रम बनाया गया था । कुछ प्रारम्भिक सिविल निर्माण कार्य पूरा किया गया था और देर से पहुचने वाले उपकरणो के विदेशी आर्डर दे दिये गय थे । तथापि इस प्रायोजना को कार्यान्वियन की गति मे इस निर्णय स ढिलाई की गई थी कि इस प्रायोजना का और कार्यान्वियन तथा सभरण सामग्री के रूप मे कोयल पर आधारित अतिरिक्त क्षमता स्थापित करने के बारे म तभी विचार किया जाना चाहिए जब तालचर और रामागुडम स्थित कोयले पर आधारित दो कार्यान्वयनाधीन सयत्रो के सचालन का अनुभव प्राप्त हो जाय । अक्टूबर 1977 तक इस प्रायोजना पर 19 13 करोड रुपय खच किए गय थे । 1977-78 के दौरान 3 00 करोड रुपए की राशि खर्च करन का प्रस्ताव है ।

Increase in production of Antibiotics at Indian Drugs and Pharmaceuticals Limited.

*202 SHRIMATI AHILYA P RANGNEKAR Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state

(a) whether the production of antibiotic is expected to increase significantly at IDPL by introducing high-yielding strains know-how and expertise from Italy at a cost of Rs 1 4 crores,

(b) if so, whether the price of the medicines will be reduced; and

(c) if so, to what extent?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI H N. BAHUGUNA): (a) Yes, Sir. It is hoped that with the introduction of high yielding strains and better technology, the production of antibiotics in IDPL, Rishikesh plant will increase significantly.

(b) and (c) Due to various measures effecting productivity and production, it should ultimately be possible to review the issue with the objective of bringing down prices. However in doing so many other factors i.e, raw material costs, wages and other input costs will also have to be taken into consideration. This exercise will however take sometime before we are in a position to deal with it finally

रेल कर्मचारियो का शैक्षिक सत्र के दौरान स्थानान्तरण

1733. **श्री दया राम शाक्य** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि .

(क) क्या यह सच है कि रेलवे बोर्ड ने अपने कर्मचारियो के स्थानान्तरण के बारे मे इस प्रकार का नियम बनाया है कि किसी भी कर्मचारी को शैक्षिक सत्र के दौरान तब तक स्थानान्तरित न किया जाये जब तक जनता, सतर्कता विभाग और गुप्तचर विभाग से उसके विरुद्ध कोई शिकायत न की गई हो,

(ख) क्या उत्तर रेलवे के सम्बन्धित अधिकारियो ने उक्त नियम का उल्लघन करके एक वर्ष के भीतर (जुलाई 1977 मे) बक्कस से लाल गज और (सितम्बर 1977 मे) लाल गंज से उन्नाव के लिए और पूर्वोत्तर रेलवे मे मथुरा से सिकन्दराराव और सिकन्दराराव से कासगज के लिए स्थानान्तरण किये; और

(ग) यदि हा, तो सरकार द्वारा उक्त अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की जा रही है ?

रेल मंत्रालय राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) (क) इस आशय के अनुदेश विद्यमान है कि सामान्यतया कर्मचारियो का स्थानान्तरण तब तक न किया जाये जब तक कि जनता की ओर से उनके विरुद्ध शिकायते न की गयी हो । यह अनुदेश भी मौजूद है कि जहा तक सम्भव हो सत्र के मध्य (स्कूल और कालेजो के) मे कर्मचारियो का स्थानान्तरण नही किया जाना चाहिये और यदि विशेष मामलो मे ऐसे स्थानान्तरण आवश्यक हो जाये तो उनके बारे मे पर्याप्त उच्च स्तर पर विनिश्चय किया जाय । फिर भी, यदि प्रशासनिक हित मे कुछ स्थानान्तरण अपरिहार्य हो जाते है तो उन्हे कार्यान्वित करना पडता है ।

(ख) उत्तर रेलवे पर इस प्रकार का केवल एक स्थानान्तरण किया गया है । श्री आर० पी० गुप्ता सहायक स्टेशन मास्टर, जो बक्कास पर काम कर रहे थे, को उनके अनुरोध पर लालगज स्टेशन पर तैनात किया गया था । बाद मे यह पाया गया कि श्री एस० के० तिवारी, सहायक स्टेशन मास्टर, उन्नाव ने, लालगज स्टेशन पर स्थानान्तरण के लिए श्री आर० पी० गुप्ता से पहले पजीकरण करा लिया था । अतएव श्री एस० के० तिवारी का लालगज और श्री आर० पी० गुप्ता को उन्नाव स्थानान्तरित किया गया था ।

वर्तमान शिक्षा सत्र के दौरान पूर्वोत्तर रेलवे पर किसी कर्मचारी को मथुरा से सिकन्दरा राऊ और सिकन्दरा राऊ से कासगज स्थानान्तरण के आदेश जारी नही किये गये है ।

(ग) प्रश्न के भाग (क) और (ख) के उत्तर को देखते हुए प्रश्न नही उठता ।